

ख़बर संक्षेप

कामाख्या तीर्थ यात्रा के लिए 31 अगस्त तक होंगे आवेदन, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 7 सितंबर को ब्यौहारी से रवाना होगी विशेष ट्रेन,

शहडोल। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत कामाख्या तीर्थ यात्रा पर जाने के इच्छुक जिले के श्रद्धालुओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। यात्रा के लिए विशेष रेलगाड़ी 7 सितंबर को ब्यौहारी रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। प्रशासन ने इच्छुक तीर्थ यात्रियों से निर्धारित अविधि में आवेदन जमा करने की अपील की है।योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं को अपने क्षेत्र की संबंधित जनपद पंचायत में तथा नगरीय क्षेत्र के आवेदकों को अपने संबंधित नगरीय निकाय में निर्धारित आवेदन पत्र जमा करना होगा। यात्रा के लिए इन्हीं माध्यमों से प्राप्त आवेदन ही मान्य किए जाएंगे।सीटों की उपलब्धता के आधार पर चयनकामाख्या यात्रा के लिए यात्रियों का चयन उपलब्ध आरक्षित सीटों की संख्या के आधार पर किया जाएगा। आवेदन प्राप्त होने के बाद पात्र यात्रियों का चयन किया जाएगा और यात्रा से पहले चयनित तीर्थ यात्रियों की सूची संबंधित जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों को उपलब्ध कराई जाएगी।यात्रा के दौरान आधार या वोटर आईडी ज़रूरीयात्रा के लिए चयनित श्रद्धालुओं को निर्धारित तिथि पर यात्रा के दौरान अपना मूल आधार कार्ड अथवा वोटर आईडी साथ रखना अनिवार्य होगा। पहचान संबंधी दस्तावेज के अभाव में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में चयनित यात्रियों से यात्रा के समय मूल पहचान पत्र साथ रखने को कहा गया है।

रोजगार मेले में 22 युवाओं ने आजमाया भाग्य, 19 का कंपनियों ने किया चयन, आईटीआई में आयोजित मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने युवाओं को दिए रोजगार के अवसर

शहडोल। रोजगार की तलाश कर रहे स्थानीय युवाओं के लिए शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित एक दिवसीय रोजगार मेला उपयोगी साबित हुआ। निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों ने मेले में पहुंचकर युवाओं की शैक्षणिक योग्यता, दक्षता और निर्धारित मापदंडों के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी की। मेले में शामिल 22 अभ्यर्थियों में से 19 युवाओं का चयन विभिन्न कंपनियों के लिए किया गया।रोजगार मेले में श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शहडोल, भारतीय जीवन बीमा निगम शहडोल, ग्रीफास्ट एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड तथा सीआईआई एमसीसी इंदौर सहित अन्य कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों से आवश्यक जानकारी लेने के साथ उनकी योग्यता और संबंधित पद के लिए उपयुक्तता का आकलन किया।युवाओं को निजी क्षेत्र की नौकरियों की मिली जानकारीमेले में केवल चयन प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि युवाओं को निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न विकल्पों की जानकारी भी मिली। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने संबंधित कार्यक्षेत्र, पदों की आवश्यकताओं और रोजगार से जुड़ी संभावनाओं के बारे में अभ्यर्थियों को जानकारी दी।रोजगार मेले में 22 युवाओं की सहभागिता और इनमें से 19 के चयन से स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक पहल सामने आई है। इससे रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को अपने कौशल और योग्यता के अनुरूप निजी क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला।

रक्षाबंधन पर सड़क में धान का रोपा लगाकर फूटा ग्रामीणों का आक्रोश

400 घरों की परेशानी पर जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर सवाल, कीचड़ में तब्दील रास्ते पर महिलाओं ने गाए लोकगीत

कहा विकास के दावों से नहीं, सड़क बनने से बदलेगी तस्वीर: विधायक, सांसद से लेकर पंचायत प्रतिनिधियों तक पर ग्रामीणों ने लगाए क्षेत्र की अनदेखी के आरोप

शहडोल। रक्षाबंधन के पर्व पर जहां गांवों में भाई-बहन के स्नेह का उत्सव मनाया जा रहा था, वहीं आखेटपुर डाला टोला के वार्ड नंबर-1 में ग्रामीण अपनी बदहाल सड़क को लेकर अनूठे विरोध पर उतर आए। महिलाओं ने कीचड़ से भरी सड़क पर धान का रोपा लगाकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान खींचा। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 400 घरों की आबादी वर्षों से आवागमन की समस्या झेल रही है, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण सड़क का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।सड़क पर धान रोपकर पूछा—जब रास्ते में फसल उग सकती है तो सड़क क्यों नहीं?आखेटपुर डाला टोला की सड़क बारिश के दौरान इतनी बदहाल हो चुकी है कि ग्रामीणों के लिए घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। जगह-जगह पानी और कीचड़ जमा होने से रास्ता पैदल चलने लायक भी नहीं रह जाता। इसी स्थिति को प्रतीकात्मक रूप से सामने रखते हुए ग्रामीण महिलाओं ने सड़क पर धान का रोपा लगाया। महिलाओं ने स्थानीय लोकगीत गाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया और जिम्मेदारों से सड़क निर्माण की मांग की।ग्रामीणों का कहना है कि यह विरोध केवल एक सड़क को लेकर नहीं, बल्कि लंबे समय से ग्रामीण अंचल में विकास कार्यों के



अनदेखी को खिलाफ है। उनका आरोप है कि जनप्रतिनिधि चुनाव के दौरान गांव-गांव पहुंचकर विकास के वादे करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद बुनियादी समस्याएं प्राथमिकता में नजर नहीं आती।ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक, क्षेत्रीय सांसद और पंचायत स्तर से लेकर जनपद एवं जिला पंचायत के प्रतिनिधियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए। लोगों का कहना है कि यदि प्रतिनिधि अपने क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं को लेकर गंभीर होते तो 400 घरों की आबादी को वर्षों तक ऐसी सड़क के सहारे जीवन नहीं बिताना पड़ता। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में विकास के बजाय जनप्रतिनिधियों के व्यक्तिगत हित और राजनीतिक गतिविधियां अधिक प्राथमिकता पाती दिखाई देती हैं।बच्चों की पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा की ज़िंदगी तक प्रभावितसड़क की बदहाली का सबसे बड़ा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। बारिश के दिनों में कीचड़ और पानी के



बीच बच्चों को विद्यालय पहुंचना पड़ता है। कई बार रास्ता इतना खराब हो जाता है कि बच्चे स्कूल जाने से बचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकता भी सड़क की समस्या के कारण प्रभावित हो रही है।महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के मुताबिक आपात स्थिति में मरीज को वाहन से ले जाना भी चुनौती बन जाता है। दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है, जबकि पैदल चलने वालों के कपड़े और जूते कीचड़ से खराब हो जाते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष सड़क निर्माण की मांग रखी, लेकिन हर बार किसी न किसी स्तर पर मामला अटक जाता है। कभी भूमि को वन विभाग से जुड़ा बताया जाता है तो कभी राजस्व संबंधी प्रक्रिया का हवाला दिया जाता है।

ग्रामीणों का सवाल है कि विभागीय सीमा और प्रक्रिया तय करना प्रशासन का काम है, उसका खामियाजा आम जनता क्यों भुगतें?विकास के दावों के बीच बुनियादी सुविधा को तरसता गांवग्रामीणों ने ब्यौहारी क्षेत्र में विकास की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बड़े-बड़े विकास कार्यों और योजनाओं की चर्चा के बीच गांवों की छोटी लेकिन ज़रूरी समस्याएं पीछे छूट जाती हैं। सड़क, नाली, पानी और आवागमन जैसी सुविधाएं ग्रामीण जीवन की बुनियादी ज़रूरत हैं, लेकिन इन्हीं मुद्दों पर लंबे समय तक लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है।ग्रामीणों के आरोपों के केंद्र में केवल विधायक और सांसद ही नहीं, बल्कि स्थानीय पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि भी हैं। लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों से चुने गए प्रतिनिधियों की पहली जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की

समस्याओं को संबंधित मंच तक पहुंचाकर उनका समाधान कराना है। इसके बावजूद यदि एक सड़क के लिए ग्रामीणों को सड़क पर धान रोपकर विरोध करना पड़े, तो यह व्यवस्था और प्रतिनिधित्व दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।प्रशासनिक शिविर से पहले प्रदर्शन ने बड़ाई उम्मीदआखेटपुर में प्रशासन की ओर से शिविर आयोजित होने के एक दिन पहले हुए इस विरोध प्रदर्शन ने मामले को और चर्चा में ला दिया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि शिविर में अधिकारी मौके की वास्तविक स्थिति को समझेंगे और सड़क निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए ठोस निर्णय लेंगे।ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें अब केवल आश्वासन नहीं चाहिए। बरसात के दौरान हर वर्ष यही स्थिति पैदा होती है और हर बार समस्या जस की तस रह जाती है। उनका कहना है कि यदि सड़क के निर्माण में कोई प्रशासनिक या विभागीय अड़चन है तो संबंधित विभाग आपस में समन्वय कर उसका समाधान करें।रक्षाबंधन के दिन महिलाओं का सड़क पर धान रोपना क्षेत्र की व्यवस्था पर एक प्रतीकात्मक सवाल बनकर सामने आया। ग्रामीणों का कहना है कि जिस रास्ते से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं, यदि उसी पर धान की फसल लगाने की नौबत आ जाए तो विकास के दावों की वास्तविकता स्वयं सामने आ जाती है। अब ग्रामीणों की निगाह प्रशासनिक शिविर पर है कि उनकी वर्षों पुरानी मांग को इस बार भी आश्वासन मिलता है या सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल होती है।

रक्षाबंधन पर दिखी भाईचारे की अनूठी तस्वीर, सैकड़ों बहनों ने पवन चीनी को बांधी राखी, हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई समाज की महिलाओं ने निभाया भाई-बहन का रिश्ता

अमलाई। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र में सामाजिक समरसता और भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी के पार्षद एवं समाजसेवी पवन चीनी ने रक्षाबंधन का पर्व क्षेत्र की सैकड़ों बहनों के साथ मनाया। अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में महिलाओं और बच्चों ने उन्हें राखी बांधकर भाई-बहन के रिश्ते को आत्मीयता के साथ निभाया।पुरानी शंकर मंदिर, बसंतपुर दर्फाई सहित नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर दिनभर रक्षाबंधन का उत्साह नजर आया। पवन चीनी के पहुंचने पर महिलाओं और बच्चियों ने उनका स्वागत किया और राखी बांधकर उनके दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।चारों समुकायों की बहनों ने बांधी राखीआयोजन की खास बात यह रही कि इसमें समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं और बच्चियों ने सहभागिता की। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समाज की



महिलाओं एवं बच्चियों ने पवन चीनी को राखी बांधी। छोटी बच्चियों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक ने उन्हें अपना भाई मानकर राखी बांधी। इस दौरान आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश देखने को मिला।उपहार और नगद लिफाफे से किया सम्मानराखी बंधवाने के बाद पवन चीनी ने सभी बहनों को उपहार भेंट किए और नगद लिफाफा देकर उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा

कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह सम्मान, विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर है। समाज में आपसी प्रेम और भाईचारा बना रहे, यही इस पर्व की वास्तविक भावना है।कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने कहा कि पवन चीनी सामाजिक और जनसेवा के कार्यों के माध्यम से लगातार लोगों से जुड़े हुए हैं। रक्षाबंधन पर सभी

वर्गों की बहनों के साथ पर्व मनाने की पहल ने उन्हें जनप्रतिनिधि के साथ-साथ भाई के रूप में भी लोगों से जोड़ने का काम किया है।नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र में आयोजित यह रक्षाबंधन कार्यक्रम सामाजिक एकता, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता नजर आया। दिनभर क्षेत्र में राखियों की रंगत और बहनों की मुस्कान के बीच आत्मीयता का माहौल बना रहा।

जयसिंहनगर के स्कूलों की बदहाली पर उठे सवाल

जयसिंहनगर। जनपद क्षेत्र में शासकीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं को लेकर अब विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ने लगी है। कई स्कूलों में भवनों के रखरखाव, मरम्मत और बारिश के दौरान छतों से पानी टपकने जैसी समस्याओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। इन परिस्थितियों ने न केवल विद्यार्थ्य प्रबंधन की कार्यप्रणाली, बल्कि बीआरसी स्तर पर होने वाली निगरानी और निरीक्षण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।क्षेत्रवासियों का कहना है कि विद्यालयों के रखरखाव और आवश्यक कार्यों के लिए शासन स्तर से राशि उपलब्ध कराई जाती है, इसके बावजूद यदि स्कूल भवन जर्जर स्थिति में हैं या मामूली बारिश में ही छतों से पानी टपकने लगता है तो जिम्मेदारी तय होना ज़रूरी है। लोगों ने विद्यालयों में कराए गए मरम्मत, पुर्वाई, लिपिाई और अन्य रखरखाव कार्यों की गुणवत्ता तथा भुगतान की जांच कराने की मांग की है।रखरखाव राशि के उपयोग की जांच की मांगगुछ विद्यालयों में रखरखाव सहित विभिन्न मंद्ों में खर्च की गई राशि को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने कार्यों से संबंधित बिल-वाउचर, माप पुस्तिका और भुगतान अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। हालांकि, राशि के दुरुपयोग अथवा फर्जी दस्तावेजों के आरोपों की पुष्टि स्वतंत्र जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा अभिलेखों के साथ मौके पर



कराए गए कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।निरीक्षण और तकनीकी निगरानी भी सवालों के घेरे मेंविद्यालयों में निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की तकनीकी निगरानी को लेकर भी क्षेत्रवासियों ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि संबंधित तकनीकी अमले का नियमित क्षेत्र भ्रमण नहीं होने से कई कार्यों की वास्तविक स्थिति अधिकारियों तक समय पर नहीं पहुंच पाती। उपयंत्री विश्वंभर पांडेय की कार्यप्रणाली को लेकर भी स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं और मांग की है कि उनके द्वारा किए गए निरीक्षण एवं माप पुस्तिका में दर्ज कार्यों का मौके से मिलान कराया जाए।इसी तरह बीआरसीसी विश्वकर्मा की कार्यालय में

नियमित उपस्थिति और क्षेत्रीय निरीक्षण को लेकर भी शिकायतें सामने आने की बात कही गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों का मुख्यालय में नियमित रहना और विद्यालयों का सतत निरीक्षण सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। इन आरोपों की प्रशासनिक स्तर पर जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।कलेक्टर के निरीक्षण से बड़ी उम्मीदजनवाद कलेक्टर पार्थ जायसवाल द्वारा विद्यालयों का जमीनी निरीक्षण किए जाने के बाद क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि अब शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं पर गंभीरता से कार्रवाई होगी। लोगों का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के औचित्य निरीक्षण से स्कूलों का वास्तविक स्थिति सामने आएगी और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय की जा सकेगी।क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से जयसिंहनगर बीआरसी क्षेत्र के विद्यालयों का व्यापक औचक निरीक्षण कराने, रखरखाव राशि के उपयोग का भौतिक सत्यापन करने, निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की तकनीकी जांच कराने तथा बारिश से प्रभावित भवनों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। साथ ही निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

टीबी मुक्त भारत का संदेश लेकर निकले एनसीसी कैडेट, जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक के जरिए क्षय रोग से बचाव व समय पर उपचार का दिया संदेश

शहडोल। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेटों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को क्षय रोग के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान कैडेटों ने विभिन्न नारों के माध्यम से टीबी से बचाव, समय पर जांच और नियमित उपचार का संदेश दिया।इस दौरान आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार की जानकारी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की गई। कैडेटों ने बताया कि लगातार



खांसी, बुखार, अत्यधिक पसीना, कमजोरी और वजन कम होना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराकर चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार उपचार लेना ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि नियमित और पूरा उपचार लेने से टीबी पूरी तरह ठीक हो सकती है।युवा शक्ति को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने पर जोरकार्यक्रम कुलगुरु रामशंकर के निर्देश पर 7 एमपी कंपनी एनसीसी शहडोल के कमान अधिकारी कर्नल ए.के. शर्मा के नेतृत्व और एनसीसी अधिकारी कैप्टन जी.एस. सांडूया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।कुलगुरु रामशंकर ने कैडेटों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि युवा शक्ति जब सामाजिक सरोकारों से जुड़ती है तो जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचता है। कुलसचिव आशीष तिवारी ने भी कैडेटों के अनुशासन, उत्साह और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रशंसा की।कार्यक्रम के अंत में कैडेटों और उपस्थित लोगों ने टीबी मुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

बीआरसी की निगरानी व्यवस्था कठघरे में बारिश में टपक रही छतें, मरम्मत और रखरखाव के कामों पर भी सवाल, औचक जांच की मांग

शहडोल। रक्षाबंधन के पर्व पर बुढ़ार उप जेल में उस समय माहौल मायुक्त हो उठा, जब अपने बंदी भाइयों से मिलने पहुंची बहनों ने उनकी कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के अटूट स्नेह का अहसास कराया। जेल की ऊंची दीवारों और सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी रिश्तों की गर्माहट साफ दिखाई दी।रक्षाबंधन के अवसर पर विभिन्न बंदी भाइयों की बहनें निर्धारित प्रक्रिया के तहत उप जेल पहुंचीं। लंबे समय से जेल में रहने वाले भाइयों के लिए बहनों का पहचान किसी भावनात्मक संबल से कम नहीं था। मुलाकात के दौरान बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके उज्ज्वल भविष्य तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव की कामना की।इस दौरान कई मायुक्त क्षण भी सामने आए। भाई को सामने देखकर कुछ बहनों के चेहरों पर खुशी झलकी तो कई आंखें नम हो गईं। वहीं भाइयों ने भी बहनों के प्रति स्नेह व्यक्त करते हुए उनके सुखी जीवन की कामना की। कुछ देर की इस मुलाकात ने जेल के माहौल में अमनत्व और आत्मीयता का रंग भर दिया।रक्षाबंधन का यह दृश्य इस बात का प्रतीक बना कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, पारिवारिक रिश्तों की संवेदनाएं अपनी जगह कायम रहती हैं। कानून के दायरे में रहते हुए समाए गए इस पर्व ने भाई-बहन के बीच विश्वास, स्नेह और भावनात्मक जुड़ाव को एक बार फिर सामने ला दिया।बुढ़ार उप जेल में मनाया गया रक्षाबंधन केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उन रिश्तों की मजबूती का अवसर भी बना, जो दूरी और परिस्थितियों के बावजूद दिलों को एक-दूसरे से जोड़े रखते हैं।



खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत उमरिया में आज शिविर

उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को नगर पालिका क्षेत्र उमरिया में विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत अधिकारियों द्वारा नगर के सभी वार्डों का भ्रमण कर आमजन की समस्याओं और विभिन्न शासकीय सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि वार्ड भ्रमण के बाद रानी दुर्गावती मवन उमरिया में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में नगर पालिका क्षेत्र से संबंधित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में लंबित शिकायतों की समीक्षा कर उनके निराकरण की कार्यवाई की जाएगी।अभियान के दौरान अधिकारियों द्वारा नगरीय क्षेत्र में संचालित विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण भी किया जाएगा। निरीक्षण के माध्यम से संस्थाओं में व्यवस्थाओं, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आमजन को मिल रही सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली जाएगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को अभियान के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर शासन और प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना है।

ट्रक में टूंस-टूंसकर भरे मवेशियों को कराया मुक्त कटनी। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने बीती रात अर्धश गौ-परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने वर्मा पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर मवेशियों से भरे एक ट्रक को जब्त करके हुए आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार 27 अगस्त की देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में कूरारपूर्वक पशुओं को भरकर अर्धश रूप से ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक करेश झारिया अजंठी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वर्मा पेट्रोल पंप के पास गाकबंदी कर संदिग्ध ट्रक को रोका जांच करने पर पुलिस ने पाया कि ट्रक के अंदर मवेशियों को अत्यधिक निर्दयता और अमानवीय तरीके से बांधकर टूंस-टूंस कर भरा गया था। पुलिस ने तुरंत वाहन को अपने कब्जे में लेकर सभी पशुओं को सुरक्षित बाहर निकाला।मामले में पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक अरबाज खान 26 वर्ष निवासी सिकारा, थाना मड़वास, जिला सीधी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। आरोपी चालक के विरुद्ध पशु कूरार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मवेशियों को कहाँ से लाया गया था और इन्हें कहाँ ले जाया जा रहा था।

शिकायतों के पूर्ण निराकरण में प्रगति लाने हुई समीक्षा कटनी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवासों की पूर्ति हेतु जनपद पंचायत विजयरावगढ़ के उमागार में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बंशेश जैन और जिला पंचायत से सहायक परियोजन अधिकारी मुनेंद्र सिंह के द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित हुई। ग्राम पंचायत वार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने हितावधियों से सतत चर्चक और संबद्ध करते हुए आवास पूर्णता में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरप्रियकांति कौर द्वारा केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी जन हितैषी योजनाओं की प्रगति की निगरानी और समीक्षा प्रति दिवस की जाती है। समीक्षा बैठक में मौजूद सहस्रक विकास विस्तार अधिकारी,पंचायत समन्वय अधिकारी और उपयंत्री को निर्माणधीन अपूर्ण आवासों की पूर्णता के साथ सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की भी समीक्षा करते हुए 5 सितंबर 2026 तक 80% डेवेज प्राप्त करने हेतु कार्ययोजना बनाई जाकर शिकायतों के संतुष्टिपूर्व निराकरण हेतु तत्परता पूर्वक कार्यवाई करने के निर्देश दिए।

सोयाबीन में कीट-रोग का खतरा, किसान बढ़ाएं खेतों की निगरानी

उमरिया। खरीफ सीजन की प्रमुख तिलहनी फसल सोयाबीन में इन दिनों कीट एवं रोगों के प्रकोप की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। विभाग का कहना है कि फसल में रोग या कीट की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर समय पर नियंत्रण के उपाय किए जाएं तो उत्पादन में होने वाले नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती राखी सहाय ने कृषि अमले को किसानों से सतत संपर्क बनाए रखने और फसल की स्थिति के अनुसार आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान की अनुशंसाओं के अनुसार वर्तमान समय में सोयाबीन फसल में एन्थ्रेक्नोज, राइजोक्टेोनिया एरियल ब्लाइट और पीला मोजेक जैसे रोगों की निगरानी आवश्यक है। विशेष रूप से पीला मोजेक से प्रभावित पौधों की पहचान होने पर उन्हें प्रारंभिक अवस्था में ही खेत से निकालकर नष्ट करने की सलाह दी गई है। साथ ही रोग फैलाने वाले वाहक कीट सफेद मक्खी के नियंत्रण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया है। सोयाबीन में तंबाकू, की इल्ली, सेमीलूपर, चने की इल्ली, बिहार हेरी कैटरपिलर, गर्डल बोटल, तना मक्खी और सफेद मक्खी जैसे कीटों की भी निगरानी करने की सलाह दी गई है। पत्तियों खाने वाली इल्लियों या अन्य कीटों का प्रकोप दिखाई देने पर कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का ही निर्धारित मात्रा में उपयोग करने को कहा गया है। गर्डल बोटल से प्रभावित पौधों और कटे हुए हिस्सों को खेत से बाहर निकालकर नष्ट करने की सलाह भी दी गई है। कृषि विभाग ने किसानों को आगाह किया है कि बिना आवश्यकता कृषि रसायनों का छिड़काव न करें।

मशीनों से काम कराने के आरोप के बीच मजदूरी मद में भुगतान शून्य

25 लाख के तालाब में मजदूरों का हक गायब, साईं कृपा हार्डवेयर को लाखों का भुगतान!

मिट्टी-पानी परिवहन और सामग्री के बिलों पर भी गंभीर सवाल; जनपद से लेकर जिला स्तर तक जिम्मेदारों की भूमिका जांच के घेरे में

जयसिंहनगर। खनिज क्षेत्र कल्याण निधि से ग्राम पंचायत नवाटोला में स्वीकृत 25 लाख के नवीन तालाब निर्माण कार्य में भुगतान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार कार्य में मजदूरी के लिए 1 लाख और सामग्री के लिए 24 लाख का प्रावधान किया गया था, लेकिन पोर्टल पर दर्ज भुगतान में मजदूरी मद में राशि शून्य दिखाई दे रही है। दूसरी ओर साईं कृपा हार्डवेयर के नाम पर काली मिट्टी, पानी और मिट्टी परिवहन सहित विभिन्न मदों में लाखों रुपये के भुगतान दर्ज हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वास्तविक कार्य मजदूरों के बजाय मशीनों से कराया जा रहा है और कागजों में सामग्री एवं परिवहन के बिल लगाकर राशि का भुगतान कराया गया। मामले में जनपद से लेकर जिला स्तर तक जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। 25 लाख की स्वीकृति, मजदूरी के लिए सिर्फ 1 लाख दस्तावेजों के मुताबिक टोमल सिंह के घर के पास नवीन तालाब निर्माण के लिए 25 लाख की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति है। तकनीकी स्वीकृति में लेबर कॉस्ट 1 लाख तथा मटेरियल कॉस्ट 24 लाख दर्ज है। यानी योजना में मजदूरों के लिए राशि निर्धारित थी। लेकिन उपलब्ध भुगतान विवरण में मजदूरी का कोई भुगतान सामने नहीं आता। इसके विपरीत सामग्री एवं परिवहन के नाम पर लगातार भुगतान किए गए हैं। पोर्टल विवरण के अनुसार साईं कृपा हार्डवेयर के नाम से कई भुगतान दर्ज हैं।

साईं कृपा हार्डवेयर के बिलों पर सबसे बड़ा सवाल

दस्तावेज में साईं कृपा हार्डवेयर के नाम से बिल क्रमांक 398, 399, 400 सहित कई बिल दर्ज हैं। काली मिट्टी, मिट्टी परिवहन, पानी परिवहन, पथर परिवहन तथा अन्य सामग्री के भुगतान का उल्लेख है। उपलब्ध दस्तावेज में साईं कृपा हार्डवेयर के नाम पर दर्ज भुगतानों की बड़ी राशि सामने आती है। दस्तावेज में साईं कृपा हार्डवेयर के नाम पर दर्ज भुगतानों को जोड़ने पर लगभग 17.99 लाख की राशि सामने आती है, जबकि मेसर्स प्रिंस ट्रेडर्स के नाम पर 43,200 का भुगतान दर्ज



है। दोनों को मिलाकर दस्तावेज में 18,42,250 का कुल भुगतान प्रदर्शित है। यही वह बिंदु है जिस पर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं कि जब कार्य की कुल स्वीकृत राशि 25 लाख है और मजदूरी मद में भुगतान नहीं हुआ, तो इतनी बड़ी राशि सामग्री एवं परिवहन के नाम पर किस आधार पर जारी की गई? तालाब शुरू होने से पहले मिट्टी का भुगतान? जांच संबंधी टिप्पणी में भी कई गंभीर सवाल दर्ज हैं। इसमें उल्लेख है कि बिल क्रमांक 398 और 399 के माध्यम से 300 सीएम काली मिट्टी का भुगतान किया गया, जबकि तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ ही नहीं हुआ था। इसी प्रकार बिल क्रमांक 151 के आधार पर 250 सीएम मिट्टी परिवहन का उल्लेख सामने आता है। दस्तावेज में यह भी सवाल उठाया गया है कि तालाब निर्माण शुरू होने से पहले ही पानी की आवश्यकता कैसे पैदा हो गई और पानी परिवहन से जुड़े भुगतानों का आधार क्या था। यदि दस्तावेज में दर्ज तारीखें और कार्य की वास्तविक शुरुआत एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं तो इसका सत्यापन मौके पर

कराना बेहद जरूरी है। मजदूर नहीं तो फिर तालाब की खुदाई किसने की? मामले का सबसे गंभीर पहलू मजदूरी भुगतान से जुड़ा है। तालाब की खुदाई, पडल ट्रेंच, भराई और पिचिंग जैसे कार्यों में श्रमिकों की आवश्यकता होती है। लेकिन उपलब्ध रिकॉर्ड में मजदूरी भुगतान शून्य है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब की खुदाई सहित अधिकांश काम जेसीबी और अन्य मशीनों से कराया जा रहा है, जबकि मशीनों से खुदाई के अनुरूप बिल और उसका स्पष्ट विवरण भी सवालों के घेरे में है। ऐसे में जांच का सीधा सवाल होना चाहिए—यदि मजदूरों से काम कराया गया तो उनकी मजदूरी कहाँ गई और यदि मशीनों से काम कराया गया तो मशीन का बिल कहाँ है? जनपद से जिला स्तर तक मिलीभगत का आरोप ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि साईं कृपा हार्डवेयर सहित

बांधवाधीश मंदिर मेले में रहेगी मजिस्ट्रियल निगरानी, अधिकारियों की इयूटी तय

जन्माष्टनी पर 4 सितंबर को ताला के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में लगेगा मेला, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने संमाली कमान

उमरिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर 4 सितंबर को ताला अंतर्गत बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध बांधवाधीश मंदिर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मेला आयोजित होगा। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक प्रशासनिक व्यवस्था की है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने मेले के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कार्यपालक दंडाधिकारियों की मजिस्ट्रियल इयूटी निर्धारित कर दी है। प्रशासन द्वारा मेला क्षेत्र को अलग-अलग सेक्टर में विभाजित कर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है, ताकि श्रद्धालुओं की भीड़, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं पर

प्रभावी निगरानी रखी जा सके। संपूर्ण मेला क्षेत्र को जिम्मेदारी अनुविभागीय अधिकारी एवं कार्यपालक दंडाधिकारी मानपुर हरनीत कौर कलसी को सौंपी गई है। उनके साथ राजस्व निरीक्षक बरबसपुर एवं रायपुर सहित संबंधित राजस्व अमले को तैनात किया गया है। इसी तरह रायपुर, पटवारी ताला, ताला मेन गेट एवं मेला क्षेत्र ग्राम ताला के लिए डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ राजस्व निरीक्षक ताला, मानपुर एवं अमरपुर की इयूटी लगाई गई है। बांधवाधीश मंदिर क्षेत्र की व्यवस्था की जिम्मेदारी डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट प्रिया अग्रवाल को सौंपी गई है। इस क्षेत्र में राजस्व निरीक्षक नजूल एवं पटवारी मानपुर को भी तैनात किया गया है। शेष शैया क्षेत्र में भी प्रशासन की निगरानी रहेगी। यहां प्रभारी तहसीलदार एवं कार्यपालक दंडाधिकारी पंकज नयन तिवारी को जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ राजस्व निरीक्षक, अधीक्षक भू-अभिलेख एवं पटवारी गोवर्दे की इयूटी निर्धारित की गई है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने सभी

कार्यपालक दंडाधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वे मेला आयोजन से एक दिन पूर्व मेला स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। इस दौरान क्षेत्र संचालक, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया है कि 4 सितंबर को मेला दिवस पर सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने निर्धारित इयूटी स्थल पर मौजूद रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें। साथ ही मेला क्षेत्र की स्थिति की लगातार निगरानी करते हुए किसी भी अप्रिय परिस्थिति की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालक दंडाधिकारी मेले के दौरान अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी पी.के. सेनगुप्ता एवं कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को समय-समय पर वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। जिला प्रशासन का यह आदेश तत्काल प्रभावशील कर दिया गया है।

मां बिरासिनी को राखी अर्पित कर मनाया रक्षाबंधन का पर्व

उमरिया। जिले में रक्षाबंधन का पर्व श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। बिरसिंहपुर पाली स्थित प्रसिद्ध मां बिरासिनी शक्तिपीठ मंदिर में रक्षाबंधन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता रानी को राखी अर्पित कर पर्व की शुरुआत की। क्षेत्र में यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसके चलते पाली सहित जिले और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां बिरासिनी के दर्शन के लिए पहुंचे।मान्यता के अनुसार रक्षाबंधन के अवसर पर मां बिरासिनी को राखी अर्पित करने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। इसी आस्था के चलते श्रद्धालु अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से माता की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय वातावरण बना रहा।मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के



पवित्र रिश्ते को और मजबूत किया। कई परिवारों ने पहले मां बिरासिनी के दर्शन किए, इसके बाद रक्षाबंधन की रस्म पूरी की। पर्व को लेकर मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं।मां बिरासिनी शक्तिपीठ के पंडा गोपाल ने बताया कि क्षेत्र में रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत मां बिरासिनी को राखी अर्पित करने के साथ किए जाने की परंपरा है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए बड़ी

संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और पारिवारिक संस्कारों से भी जुड़ा अवसर है। पर्व के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। माता के जयकारों और पूजा-अर्चना से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मां बिरासिनी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और परिवार की सुख-शांति की मंगलकामना की।

बांधवगढ़ में पेड़ों से बंधी रिश्तों की डोर, महिला वनरक्षकों ने वृक्षों को भाई मानकर मनाया रक्षाबंधन

तिलक लगाकर बांधी राखी, आरती उतार लिया जंगल और पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प

उमरिया। रक्षाबंधन के पर्व पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शुक्रवार को प्रकृति और रिश्तों का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां कार्यरत महिला वनरक्षकों ने जंगल के पेड़ों को भाई मानकर उनकी कलाईयों पर राखी बांधी। पारंपरिक विधि से तिलक लगाया, आरती उतारी और वृक्षों की रक्षा का संकल्प लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। महिला वनरक्षक पूजा की थाली लेकर जंगल पहुंचीं और पेड़ों के समीप रक्षाबंधन की रस्म निभाई। उन्होंने वृक्षों को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा और आरती उतारी। इस दौरान महिला वनरक्षकों ने संकल्प लिया कि जिस तरह भाई अपनी बहन की



रक्षा का दायित्व निभाता है, उसी तरह वे जंगल, पेड़ों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करती रहेंगी। पेड़ जीवन और सुरक्षा प्रदान करते हैं। ऐसे में पेड़ों को भाई मानकर रक्षाबंधन मनाना प्रकृति के प्रति सम्मान और अपनी जिम्मेदारी को याद करने का भावनात्मक अवसर है।



बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने महिला वनरक्षकों की इस प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संरक्षण का संकल्प भी बन गया। पेड़ों पर बंधी राखियों बड़े भाई की तरह अपना धर्म निभाते हैं। पेड़ों को भाई मानकर राखी बांधने की यह पहल

समाज में वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। बांधवगढ़ के जंगल में मनाया गया यह रक्षाबंधन महज एक पर्व नहीं रहा, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संरक्षण का संकल्प भी बन गया। पेड़ों पर बंधी राखियों भाई-बहन के स्नेह के साथ वन, वन्यजीव और पर्यावरण की रक्षा का संदेश देती नजर आईं।

खबर संक्षेप

वेदपाठी ब्राह्मण का फंदे में लटका मिला शव
उमरियापान। थाना क्षेत्र अंतर्गत महर्षि आश्रम के श्रीराम परिसर में कमरे के भीतर गुरुवार को एक वेदपाठी ब्राह्मण का शव फंदे पर लटकता हुआ मिला। वेदपाठी के मौत के कारणों का अब तक कुछ पता नहीं चला, फिरहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है। थाना प्रभारी महेन्द्र जायसवाल ने बताया कि दतिया जिले के उनाओ बालाजी थाना क्षेत्र के कुम्हरिया केवलारी गांव का रहने वाला आदर्श शुक्ला (26) उमरियापान के करौंदी आश्रम में रहकर अनुष्ठान करता था। 25 अगस्त से वह तबियत खराब होने की बात कहकर अनुष्ठान में शामिल नहीं होता था। गुरुवार सुबह परिसर के कमरे के अंदर बाथरूम में आदर्श का शव फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को उमरियापान अस्पताल में सुरक्षित रखवाया है।

गणेश विसर्जन पर 25 सितंबर को रहेगा स्थानीय अवकाश

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले के लिए पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश में संशोधन करते हुए गणेश विसर्जन (अनंत चतुर्दशी) के अवसर पर 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को संपूर्ण कटनी जिले के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया है। पूर्व में कलेक्टर द्वारा 4 मार्च 2026 को होली के दूसरे दिन स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 4 मार्च को सामान्य अवकाश घोषित किए जाने के बाद अब उक्त स्थानीय अवकाश में संशोधन किया गया है। संशोधित आदेश के तहत 25 सितंबर को गणेश विसर्जन के अवसर पर स्थानीय अवकाश निर्धारित किया गया है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह स्थानीय अवकाश बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होगा।

जिले में अब तक 669.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज
कटनी। जिले में 1 जून से 27 अगस्त तक कुल 669.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 913.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1211.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 990.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। वहीं इस अवधि में जिले में सबसे कम वर्षा बड़वारा तहसील में हुई यहाँ 443.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। कटनी तहसील में 590.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। रीठी में 787.1 मिलीमीटर, बड़वारा में 443.5 मिलीमीटर, बरही में 514.8 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ में 659.9 मिमी, बहोरीबंद में कुल 627.2 मिमी एवं स्लीमनाबाद में 990.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 741.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

खेलो इंडिया संवाद में गूंजा फिट इंडिया का संदेश, नशामुक्ति का संकल्प

खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली का आधार भी है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी में गुरुवार को 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए खेल एवं फिटनेस को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में खेलो इंडिया एवं फिट इंडिया जैसे अभियानों के

धनपुरी थाने में पुलिसकर्मियों के साथ मनाया रक्षाबंधन ओजस्विनी ने देशसेवकों की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र



शहडोल।धनपुरी रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल एवं महिला परिषद ओजस्विनी इकाई धनपुरी द्वारा धनपुरी थाना परिसर में देश एवं समाज की सुरक्षा में निरंतर समर्पित नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार एवं पुलिस

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता एवं उत्साह के साथ मनाया गया।इस अवसर पर ओजस्विनी की बहनों ने देशसेवा में समर्पित पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम

में सुमन सोनी, प्रियंका सोनी, सिमोन अग्रवाल, पल्लवी कुशवाहा, पलक विश्वकर्मा एवं वैष्णवी की सहभागिता रही। कार्यक्रम प्रभारी आयुष गुप्ता भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।रक्षाबंधन के इस आयोजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान, स्नेह एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। पुलिसकर्मों त्योहारों के अवसर पर भी अपने परिवार से दूर रहकर समाज की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे देशसेवकों के साथ रक्षाबंधन मनाना उनके प्रति सम्मान प्रकट करने की एक भावपूर्ण पहल रही। इस अवसर पर मेहुल श्रीवास्तव ने भी सभी बहनों एवं देश सेवकों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा, "व्यक्तिगत कारणों से मैं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सका, लेकिन भावनात्मक रूप से मैं अपनी सभी बहनों के साथ हूं। मैं सभी बहनों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। देश और समाज की सुरक्षा में समर्पित हमारे पुलिसकर्मी हमारे लिए सम्मान और गौरव का विषय हैं। उनके साथ रक्षाबंधन मनाना निश्चित रूप से एक सराहनीय एवं भावपूर्ण पहल है।" उन्होंने कहा कि



रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक दायित्व की भावना का प्रतीक भी है। देशसेवा में समर्पित प्रत्येक प्रहरी के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के

दौरान थाना परिसर में आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण रहा। ओजस्विनी की बहनों ने पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके सुरक्षित एवं मंगलमय जीवन की कामना की तथा सभी ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं

रक्षाबंधन पर रिश्तों से आगे बढ़ी इंसानियत, जरूरतमंद बहनों के साथ मनाया खुशियों का पर्व

उमरिया। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर युवा टीम उमरिया, मध्यप्रदेश द्वारा एक अनुठी एवं संवेदनशील पहल करते हुए जरूरतमंद बहनों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार प्रेम, स्नेह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों से राखी बंधवाकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की भावनाओं को साझा किया गया तथा उन्हें उपहार भेंट कर रक्षाबंधन की खुशियाँ बाँटी गई।कार्यक्रम का उद्देश्य केवल राखी बंधवाना नहीं, बल्कि जरूरतमंद बहनों तक स्नेह, अपनत्व और खुशियों का संदेश पहुंचाना था। युवा टीम के सदस्यों ने बहनों के साथ समय बिताया और उन्हें यह एहसास कराया कि समाज में उनके सुख-दुख को साझा करने वाले लोग भी उनके अपने हैं।इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी पंडित प्रकाश पालीवाल , पाली पुलिस से आरक्षक अमन गौतम जी एवं सुदीप पटेल तथा युवा टीम उमरिया के हिमांशु तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

“रक्षाबंधन सिर्फ एक धागा नहीं, भावनाओं का रिश्ता है” — पंडित प्रकाश पालीवाल
वरिष्ठ समाजसेवी पंडित प्रकाश पालीवाल जी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व है। जरूरतमंद बहनों के साथ त्योहार की खुशियाँ साझा करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को दर्शाता



है। उन्होंने कहा कि किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ी खुशी और सेवा का भाव कुछ नहीं हो सकता। युवा टीम उमरिया द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में भाईचारे, अपनत्व और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

घंटाघर में 40 रुपये किलो शक्कर बेचकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ॥ कटनी

नगर के घंटाघर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को शक्कर की बढ़ती कीमत, पेट्रोल-डीजल, घरेलू गैस सिलेंडर और बिजली की बढ़ी दरों को लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से 40 रुपये प्रति किलो की दर से शक्कर बेचकर बढ़ती महंगाई के प्रति विरोध दर्ज करवाया। वहीं मौके पर घरेलू गैस सिलेंडर रखकर भी सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई का

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन, सरकार पर साधा निशाना

सीधा असर आम परिवारों की रसोई और घरेलू बजट पर पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सोरभ सिंह ने कहा कि शक्कर के दाम में 30 से 35 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के बाद गणेश चतुर्थी, श्राद्ध पक्ष, नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार आने वाले हैं। ऐसे में शक्कर के बढ़े हुए दामों का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा।

सौरभ सिंह ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण और बिजली की बढ़ी दरों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि एथेनॉल मिश्रण के कारण वाहनों के माइलेज पर असर पड़ता है, जिससे वाहन चालकों का खर्च बढ़ रहा है। वहीं बिजली की बढ़ी दरों और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों ने भी आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई कम

गुरु रविदास जयंती पर बकहो मंडल में निकली भव्य कलश यात्रा



अमलाई। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत बकहो मंडल में भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का उद्देश्य समतामूलक समाज की स्थापना, सामाजिक समरसता एवं समानता का भाव मजबूत करना रहा। कलश यात्रा नगर परिषद बकहो के वार्ड क्रमांक 5 स्थित दुर्गा स्टेज से प्रारंभ हुई। इसके बाद यात्रा वार्ड क्रमांक 3 की दलित बस्ती, बटूरा, बिडिया और अतरिया सहित विभिन्न स्थानों से होते हुए गिरवर धाम गिरवा पहुंची,

जहां यात्रा का समापन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता, समानता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं नगर परिषद क्षेत्र से सैकड़ों ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला और सामाजिक एकता एवं समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

सांसद ने कहा खेल प्रतिभाओं को अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना प्राथमिकता

सांसद ने कहा खेल प्रतिभाओं को अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना प्राथमिकता



माध्यम से देश में विकसित हो रही खेल संस्कृति, प्रतिभा पहचान, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, बेहतर खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की गई। मुख्य अतिथि सांसद व्ही.डी. शर्मा ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि

युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व और टीम भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है कि गांवों और छोटे शहरों में छिपी प्रतिभाओं को उचित अवसर, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया संवाद जैसे कार्यक्रम युवाओं को

अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेल एवं फिटनेस को भी जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित करने वाले पैरा एथलीट शुभम चक्रवर्ती को सम्मानित किया। उनकी खेल उपलब्धियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से उनसे प्रेरणा लेने का आग्रह किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वाजपेई ने कहा कि पीएमसीओई शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

ढीमरखेड़ा के तीन विक्रेताओं पर एफआईआर के दिये निर्देश, कटनी में एक दुकान निलंबित

हरिभूमि न्यूज ॥ कटनी

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में राशन वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में विकासखंड ढीमरखेड़ा की तीन उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने और नगर पालिक निगम कटनी क्षेत्र की एक शासकीय उचित मूल्य दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

इन दुकानों के विक्रेताओं पर होगी एफआईआर
विकासखंड ढीमरखेड़ा के

अंतर्गत संचालित तीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों में राशन वितरण में गड़बड़ी एवं लापरवाही पाए जाने का मामला कलेक्टर श्री तिवारी के संज्ञान में आते ही, उन्होंने जांच कर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। इनमें से शासकीय उचित मूल्य दुकान संकुई दुकान कोड (4206020), शासकीय उचित मूल्य दुकान पहरूआ दुकान कोड (4206055), शासकीय उचित मूल्य दुकान देवरी बिडिया दुकान कोड (4206005) शामिल हैं। इन तीनों दुकानों में अनियमितता पाई गई। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। नगर पालिक निगम कटनी के अंतर्गत संचालित शासकीय उचित

मूल्य दुकान लक्ष्मी महिला प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार, राम निवास सिंह वार्ड (दुकान कोड 4207052) की जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में अनियमितता पाए जाने के बाद संबंधित उचित मूल्य दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं
कलेक्टर ने कहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन की कालाबाजारी अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले में जीरो टालरेंस की नीति पर अमल करते हुए गड़बड़ी करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

खबर संक्षेप

वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजा अमरकंटक, नर्मदा तट पर संपन्न हुआ श्रावणी पर्व



अमरकंटक। श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्रवार को पवित्र नगरी अमरकंटक वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से गुंज उठी। मां नर्मदा के रामघाट तट पर नगर के पुरोहितों, ब्राह्मणों, पंडितों एवं विप्रजनों ने श्रद्धा और वैदिक परंपरा के अनुरूप श्रावणी पर्व मनाया। शतभिषा नक्षत्र के पावन संयोग में प्रातःकाल से ही रामघाट पर धार्मिक गतिविधियां शुरू हो गईं। पुरोहितों ने मां नर्मदा की पवित्र जलधारा में स्नान कर पुण्य की दुबकी लगाई और इसके बाद शस्त्रोक्त विधि-विधान से श्रावणी कर्म एवं उपाकर्म की परंपरा का निर्वहन किया।श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर रामघाट पहुंचे पुरोहितों एवं ब्राह्मणों ने सर्वप्रथम मां नर्मदा को आत्मशुद्धि से जुड़े धार्मिक संस्कारों का विधिवत पालन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा का पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की।श्रावणी पर्व के अवसर पर श्री मार्कण्डेय आश्रम में भी वैदिक परंपरा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्म ऋषि रामगुप्ताग्राद जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में पंडित राम नरेश शास्त्री, पंडित गिरिजा शंकर पाण्डेय सहित विद्वान पंडितों एवं विपजनों ने सहभागिता की। आश्रम परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रावणी कर्म एवं अन्य धार्मिक संस्कार संपन्न किए गए। धार्मिक अनुष्ठानों के चलते पूरा आश्रम परिसर आध्यात्मिक वातावरण में डूबा रहा। सनातन परंपरा में श्रावण पूर्णिमा का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व माना जाता है।

रक्षाबंधन पर मिठाइयों में मिलावट रोकने खाद्य विभाग की सघन जांच

अनूपपुर। रक्षाबंधन पर्व पर लोगों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिलेभर में मिलावटखोरों के खिलाफ जांव अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर रत्नाकर झा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती अलका तिवारी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ब्रजेश कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभिन्न होटल, मिष्ठान भंडार और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान अलग-अलग प्रतिष्ठानों से खोवा, पेड़ा, मिल्क केक, कलाकंद, पनीर, फ्लेवर्ड मिल्क, गुलाब जामुन, रसगुल्ला, बेसन लड्डू और आटे के लड्डू सहित 21 खाद्य नमूने संग्रहित किए गए हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने होटल आरएसजी बस स्टैंड अनूपपुर, न्यू सुधा स्वीट्स, उत्तम रेस्टोरेंट जैतहरी, प्रयाग मिष्ठान भंडार, कुबेर मिष्ठान भंडार स्टेशन चौक अनूपपुर, रामेश्वर स्वीट्स और बीकानेर मिष्ठान भंडार राजेंद्रगाम सहित अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।



जांच के बाद फिर जैतहरी में डॉ. स्वयंशु दास की पदस्थापना, कार्रवाई के बजाय संरक्षण के आरोप

दो दिन के औचक निरीक्षण, जियो-फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी के बाद भी डॉक्टर की वापसी पर उठे सवाल

अनूपपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में पदस्थ चिकित्सक डॉ. स्वयंशु दास को लेकर पूर्व में सामने आई शिकायतों और समाचार प्रकाशनों के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी द्वारा जांच के निर्देश दिए गए थे। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि जांच के दौरान संबंधित चिकित्सक के शासकीय निवास का लगातार दो दिनों तक औचक निरीक्षण किया गया। जांच दल ने मौके की जियो-फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करने के साथ संबंधित लोगों के बयान भी दर्ज किए। इसके बाद विस्तृत जांच प्रतिवेदन विभाग के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की बात कही जा रही है। लेकिन जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित चिकित्सक की पुनः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में पदस्थापना किए जाने से अब स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यदि जांच में गंभीर अनियमितताओं के संकेत मिले थे तो कार्रवाई क्यों नहीं की गई? वहीं यदि जांच में आरोप निराधार पाए गए तो विभाग ने जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक क्यों नहीं किए?

जांच हुई तो निष्कर्ष क्या रहा?

पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल जांच के अंतिम निष्कर्ष को लेकर है। जब विभाग ने शिकायतों और सामने आई खबरों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए, जांच अधिकारी ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया, जियो-फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कराई और बयान दर्ज किए, तो आखिर जांच में क्या सामने आया? जनहित में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि जांच प्रतिवेदन में किन बिंदुओं की पुष्टि हुई और किन आरोपों को असत्य पाया गया। यदि चिकित्सक के विरुद्ध लगाए गए आरोप गलत पाए गए हैं तो विभाग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। इससे चिकित्सक पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर भ्रम की स्थिति समाप्त हो सकेगी। दूसरी ओर यदि जांच में कार्रवाई योग्य तथ्य सामने आए थे तो संबंधित चिकित्सक को उसी स्वास्थ्य केंद्र में पुनः पदस्थ किए जाने का आधार भी विभाग को स्पष्ट करना चाहिए।

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप



खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली का आधार भी है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी में गुरुवार को 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए खेल एवं फिटनेस को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में खेलो इंडिया एवं फिट इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से देश में विकसित हो रही खेल संस्कृति, प्रतिभा पहचान, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, बेहतर खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रगाम, जैतहरी हरिभूमि 10



स्थानीय शिकायतकर्ताओं का कहना है कि संबंधित चिकित्सक के कामकाज को लेकर पूर्व में भी जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और अन्य लोगों द्वारा शिकायतें की जाती रही हैं। आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से लोगों में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। हालांकि, केवल शिकायत या आरोप के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जा सकता। संबंधित चिकित्सक का पक्ष और स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक स्थिति सामने आना भी आवश्यक है। यदि जांच प्रतिवेदन विभाग के पास उपलब्ध है तो उसके निष्कर्ष के आधार पर ही मामले में अंतिम धारणा बननी चाहिए।

मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियमों में जवाबदेही का प्रावधान

मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 में शासकीय सेवक से पूर्ण सत्यनिष्ठा बनाए रखने, कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने तथा शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय आचरण से बचने की अपेक्षा की गई है। पर्यवेक्षणীয় पदों पर कार्यरत अधिकारियों से अधीनस्थ कर्मचारियों की सत्यनिष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा भी नियमों में की गई है। वहीं किसी शासकीय लगाए गए आरोप गलत पाए गए हैं तो विभाग को कार्रवाई योग्य मामला पाए जाने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 में विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया निर्धारित है। गंभीर आरोपों की स्थिति में नियम 14 के तहत विभागीय जांच का प्रावधान है। ऐसे में मामला केवल एक चिकित्सक की पदस्थापना तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता, उसके निष्कर्ष और उस निष्कर्ष के आधार पर विभाग द्वारा लिए गए निर्णय की पारदर्शिता से भी जुड़ जाता है।

सांसद ने कहा खेल प्रतिभाओं को अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना प्राथमिकता

खेलो इंडिया संवाद में गूंजा फिट इंडिया का संदेश, नशामुक्ति का संकल्प



अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की गई। मुख्य अतिथि सांसद व्ही.डी. शर्मा ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व और टीम भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है कि गांवों

और छोटे शहरों में छिपीं प्रतिभाओं को उचित अवसर, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया संवाद जैसे कार्यक्रम युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवाओं से पढ़ाई के साथ खेल एवं फिटनेस को भी जीवन का



बहनों ने भाइयों के लिए पसंद की राखियां खरीदीं, वहीं भाइयों ने भी बहनों के लिए कपड़े, गिफ्ट आइटम और अन्य उपहार खरीदे। मिठाई की दुकानों पर भी लोगों की अच्छी खासी भीड़ नजर आई।

बसों और ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं

रक्षाबंधन पर अपने भाइयों को राखी बांधने बाजार में दिनभर चहल-पहल बनी रही। राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर सुबह से ही याहकों की भीड़ लगी रही। कई

अंडरब्रिज में तीन फीट पानी, जान जोखिम में डाल ट्रैक पार कर रहे ग्रामीण

15-20 गांवों का आवागमन प्रभावित, रेलवे की व्यवस्था पर उठे सवाल

विद्यार्थियों-किसानों से लेकर कर्मचारियों तक की बड़ी परेशानी

अनूपपुर। बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर स्थित रेलवे अंडरब्रिज क्रमांक 60 इन दिनों आसपास के ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बरसात के कारण अंडरब्रिज में तीन फीट से अधिक पानी जमा होने से करीब 15 से 20 गांवों के हजारों ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। स्थिति यह है कि अंडरब्रिज से निकलना संभव नहीं होने पर ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करने को मजबूर हैं। ट्रैक पर लगातार ट्रेनों की आवाजाही के बीच ग्रामीणों का इस तरह आवागमन करना किसी बड़े हादसे की आशंका को जन्म दे रहा है। हरीं, बरीं, भगतबांध, सेन्दुरी, चरतरिहा, बिजौड़ी, जल्दा टोला, पसला, मयटोला, मौहरी, अमगावां, महुदा, चांदपुर, छकाड़िया सहित आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए यह मार्ग अनूपपुर शहर से जुड़ने का प्रमुख रास्ता है। अंडरब्रिज में जलभराव के कारण विद्यार्थियों, किसानों, शिक्षकों, कर्मचारियों, बुजुर्गों और रोजमर्रा के काम से शहर आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तीन फीट पानी के बीच बंद हुआ रास्ता

ग्रामीणों के अनुसार अंडरब्रिज में कई दिनों से पानी जमा है। पानी की गहराई इतनी अधिक है कि पैदल अथवा दोपहिया वाहन से निकलना मुश्किल है। ऐसे में कई लोग मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार कर आवागमन कर रहे हैं। सबसे अधिक चिंता स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राई और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर है। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रैक पार करते समय यदि अचानक ट्रेन आ जाए तो जान बचना मुश्किल हो सकता है।

हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन?

ग्रामीणों का सीधा सवाल है कि जब रेलवे को अंडरब्रिज में जलभराव की समस्या की जानकारी है, तो पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है। यदि कोई ग्रामीण रेलवे ट्रैक पार करते समय हादसे का शिकार हो जाता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? ग्रामीणों का कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद व्यवस्था जागे, इससे पहले रेलवे प्रशासन को समस्या का समाधान करना चाहिए।

जर्जर सड़क और कीचड़ ने बढ़ाई मुसीबत

अंडरब्रिज की समस्या के साथ ही इससे जुड़ा रेलवे रोड भी बदहाल स्थिति में है। बारिश के कारण सड़क पर

हरिभूमि न्यूज»»» कटनी

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में राशन वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में विकासखंड ढीमरखेड़ा की तीन उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने और नगर पालिक निगम कटनी क्षेत्र की एक शासकीय उचित मूल्य दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

इन दुकानों के विक्रेताओं पर होगी एफआईआर

विकासखंड ढीमरखेड़ा के अंतर्गत संचालित तीन शासकीय उचित मूल्य दुकानों में राशन वितरण में गड़बड़ी एवं लापरवाही पाए जाने का मामला कलेक्टर श्री तिवारी के संज्ञान में आते ही, उन्होंने जांच कर

संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए थे इनमें से शासकीय उचित मूल्य दुकान संकुई दुकान कोड (4206020), शासकीय उचित मूल्य दुकान पहरुआ दुकान कोड (4206055), शासकीय उचित मूल्य दुकान देवरी बिछिया दुकान कोड (4206005) शामिल हैं। इन तीनों दुकानों में अनियमितता पाई गई। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के कड़े निर्देश दिए हैं।

नगर पालिक निगम कटनी के अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान लक्ष्मी महिला प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार, राम निवास सिंह वार्ड (दुकान कोड 4207052) की जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं जांच में अनियमितता पाए जाने के बाद संबंधित उचित मूल्य दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।



जगह-जगह कीचड़ हो गया है, जिससे पैदल चलना तो दूर, दोपहिया और अन्य वाहनों से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। एक ओर अंडरब्रिज पानी में डूबा है तो दूसरी ओर वैकल्पिक मार्ग कीचड़ और गड्ढों से जूझ रहा है। ऐसे में ग्रामीणों के सामने सुरक्षित आवागमन का कोई आसान विकल्प नहीं बचा है।

वर्षों पुरानी समस्या, अब तक स्थायी समाधान नहीं

ग्रामीणों का आरोप है कि अंडरब्रिज में जलभराव की समस्या कोई नई नहीं है। इसके बावजूद रेलवे प्रशासन द्वारा पानी निकासी के लिए स्थायी तकनीकी समाधान नहीं किया गया। हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनने के बावजूद समस्या का स्थायी निराकरण नहीं होने से रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

तत्काल पानी निकासी की मांग

ग्रामीणों ने रेलवे प्रशासन से अंडरब्रिज क्रमांक 60 में तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था कराने, जलभराव की समस्या का स्थायी तकनीकी समाधान करने तथा अंडरब्रिज से जुड़े जर्जर रेलवे रोड को आवागमन योग्य बनाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह महज सड़क और जलभराव की समस्या नहीं है, बल्कि 15-20 गांवों के हजारों लोगों की सुरक्षा और रोजमर्रा के आवागमन से जुड़ा गंभीर मामला है। रेलवे प्रशासन को समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि किसी संभावित हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने की नौबत न आए।

ढीमरखेड़ा के तीन विक्रेताओं पर एफआईआर के दिये निर्देश, कटनी में एक दुकान निलंबित

राखी बांध बहनों ने मांगी भाई की लंबी उम्र, भाइयों ने दिया रक्षा का वचन

कोतमा में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन, बाजार से लेकर बस-ट्रेन तक रही भीड़

आज निकलेगी कजलियां

कोतमा। नगर सहित पूरे कोयलांचल और ग्रामीण अंचलों में शुक्रवार को भाई-बहन के अट्टे प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास एवं परंपरिक तरीके से मनाया गया। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवन के हर सुख-दुख में साथ निमाने तथा उनकी रक्षा करने का वचन दिया। पर्व को लेकर सुबह से ही हरो में उत्साह का माहौल रहा और दिनभर रक्षाबंधन की खुशियां छाई रहीं।

मिठाई और उपहार की दुकानों पर उमड़ी भीड़

रक्षाबंधन को लेकर शुक्रवार को कोतमा बाजार में दिनभर चहल-पहल बनी रही। राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर सुबह से ही याहकों की भीड़ लगी रही। कई



विधि-विधान से विसर्जन करेगी। इसके बाद महिलाएं एक-दूसरे से गले मिलकर कजलियां पर्व की शुभकामनाएं देगीं। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहेगा। नगर के पंचायती मंदिर, पुरानी बस्ती, ढकाई टोला, तेलियान टोला और गोविंदा गांव से भजन-कीर्तन के साथ कजलियां निकाली जाएंगी। कजलियां का विसर्जन शिवसागर धाम, केरहा नाला, बस स्टैंड के पास स्थित तालाब तथा गोविंदा गांव के तालाब में किया जाएगा।

पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था
रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के नेतृत्व में पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। नगर के प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस कर्मचारियों की इस्ट्री लगाई गई। थाना प्रभारी स्वयं नगर में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। पुलिस की सज्जयता के चलते पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

